

14.5.18

→ राजपूरी गैरा डुरी वाडी इन्ड्रमन्ड एन्डिग रतिकरि सं
उ वाजिर | इन्ड्रमन्ड को तुना जया। संसे सं के करत
के तस्य इस, अकार सं हैं डि इम गीकोली के
जयापुडी सं 2069-72 के खारा सं. नया -पुराना

ई-152 खसरा नम्बर 154 ककवा 11,000.00 बीघा नं 2

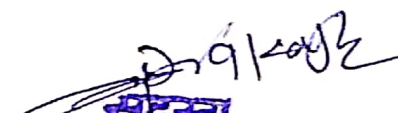
इन्ड्रमन्ड पुत्र कुलचन्द जैन [सखारहेडे नाम सं हैं]

रतिकरिगण के इस भूमि पर इन्ड्रमन्ड कर रखा है।

अतः इन्डे नोदखल दिया जाये। रतिकरिगण की
और सं नयाव तसुत दिया जमादि करी के
दोषा खासि करे कोय है।

आज भरल के सं पर उठ हुए हैं।
राडी इन्ड्रमन्ड ने बताया कि हमारे इन्ड्रमन्ड के गीनमें राजीनामा ले
जमा है। अतः राजीनामा स्वीकार कर वाद का निस्तारण करने की
कृपा करें। इस वाद वगित का पानी सं सं 4 बीघा क्षाणी प्रतिवादी के
वारिसान के नाम विक्रम पत्र पंजीजन करवा देंगे। तमा वारीगण
को प्रतिवादी 1,60,000 रु. भदा करेंगे। इन्ड्रमन्ड पत्नी के विक्रम पत्र
पंजीजन होने पर वादा का अंरुत विक्रम पत्र में इन्ड्रमन्ड करवा देंगे।
इन्ड्रमन्ड पत्र 4. बीघा का पंजीजन होने पर शेष 3. बीघा क्षाणी
वारीगण को कवजा सुपुर्द कर देंगे। इसमें किसी प्रकार का लमने
बीघर लभारि का मही रहेगा।

राडी ने राजीनामा स्वीकार कर
वाद का निस्तारण करने का निवेदन किया है। अतः राडी की
पुत्रिणा पर वाद पत्र की कार्यवाही समाप्त की जाती है।
मिसल नम्बर सं कम दीर फैलन सुमार है। वाद तकमील
दाखिल दफतर है। खयर्त करिगेन कपना-कपना कवन करे।
निर्णय मज में काम रिकोरेनिभा के सुनायागमा।


सदस्य
लोक अदालत
सरवाड़

16
अध्यक्ष
लोक अदालत शिविर
सरवाड़ (अजमेर)